7 सीखो

फूलों से नित हँसना सीखो,
भौंरो से नित गाना ।
तरु की झुकी डालियों से नित,
सीखो शीश झुकाना ।

सूरज की किरणों से सीखो
जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो,
सबको गले लगाना।

दीपक से सीखो जितना
हो सके अँधेरा हरना।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की
सच्ची सेवा करना।

जलधारा से सीखो आगे,
जीवन-पथ में बढ़ना।
और धुएँ से सीखो हरदम,
ऊँचे पर ही चढ़ना।

– श्रीधर पाठक

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

शिक्षक संकेत :

बच्चों को बताइए कि सभी चीजों में कुछ गुण और कुछ दोष होते हैं। हमें उनके गुणों को अपनाना चाहिए।

शब्दार्थ:

नित – प्रतिदिन **तरु** – पेड़ **शीश** – सिर

हरना – दूर करना **लता** – बेल

अभ्यास

आइए बातचीत करें

1. आप कैसे सीखते हैं?
2. जब आप कोई नई बात सीखते हैं तो आपको कैसा लगता है?
3. आपको कौन-कौन से काम सीखने में मजा आता है?

पाठ से बताइए

1. हमें जगने और जगाने की सीख किससे मिलती है?
2. दीपक से हमें क्या सीख मिलती है?
3. पृथ्वी से हमें क्या सीख मिलती है?
4. **कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए ।**

(क) ....से नित हँसना सीखो,
..................से नित..................
तरु की..................डालियों से नित
सीखो..................झुकाना।

(ख) ....से सीखो आगे,
..................पर बढ़ना,
और..................से सीखो हरदम,
ऊँचे पर ही..................।

© BSTBPC
WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

5. पाठ में आपको निम्नलिखित की सीख जिससे मिलती है उसे सीख के सामने लिखें।

(क) हमेशा प्रसन्न रहना .....

(ख) सबको प्यार करना .....

(ग) विनयशील बनना .....

(घ) आगे बढ़ते रहना .....

(ङ) सदा ऊपर उठना .....

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले दो-दो शब्द लिखिए

तरु	.....	.....
लता	.....	.....
जीव	.....	.....
पृथ्वी	.....	.....
शीश	.....	.....

2. नीचे दिए गए शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करें।

भौंरा -

किरण -

अँधेरा -

सेवा -

धुआँ -

खोजबीन

पाठ में अनेक चीजों से सीख मिलने की बात कही गई है। इनके अलावे आप किन-किन चीजों से क्या-क्या सीख सकते हैं? सूची बनाइए।

नाम	सीख
.....	.....
.....	.....
.....	.....

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED